बिहार में फाल्गुन नदी पर बांध

7061. **श्री ईश्वर चौधरी :** क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मालूम है कि बिहार में फाल्गुन नदी गर्मियों में सूख जाती है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस नदी पर बांध का निर्माण करने की योजना सरकार के विचाराधीन है जिससे 12 महीने जल मिल सके; और

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) फाल्गुन नदी को उसकी ऊपरी पहुंचों में लीलाजान कहा जाता है। यह हजारीबाग जिले के पहाड़ी क्षेत्रों से निकलती है और यह एक वर्षा-पोषित नदी है। जो गर्मी के दिनों में बिलकुल सूख जाती है।

(ख) और (ग). बिहार सरकार ने केन्द्रीय जल आयोग को तकनीकी जांच के लिए "लीलाजान जलाशय स्कीम" प्रस्तुत की है जिसमें मिट्टी के दो बांधों का निर्माण परिकल्पित है जिनमें से एक बांध लीलाजान नदी के ऊपर सिन्दुआरी गांव के निकट और दूसरा बिहार के हजारीबाग जिले में जोरी गांव के निकट जाम नदी पर बनाया जाता है। इस परियोजना पर 19.85 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है और इससे गया और हजारीबाग जिलों में प्रति वर्ष 36,915 हैक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई होगी।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के अधिकारियों के खिलाफ कथित आरोप

7062. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या शिक्षा मंत्रालय को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के अधिकारियों के खिलाफ शिकायतें प्राप्त हुई थीं; और

(ख) यदि हां, तो इन शिकायतों का स्वरूप क्या है और उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका देवी बरुआ) : (क) जी, हां।

(ख) सामान्य रूप से शिकायतों में कथित प्रशासनिक तथा वित्तीय अनियमितताओं और गैर कानूनी परितोषण लेने का उल्लेख किया गया है। कुछ आरोप निराधार पाये गये है, तथा कुछ एक की उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा जांच की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, साधारण प्रशासनिक प्रकृति की शिकायतो पर विभागीय कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है।

राजभाषा अधिनियम, 1963 के अधीन बनाये गये नियमों का पालन

†7063. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजभाषा अधिनियम, 1963 के अधीन बनाये गये नियमों की धारा 3 (3) के उपबन्धों का उनके मंत्रालय में पूरी तरह क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है;